सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा:-8 **विषय: अमृत संचय** **पाठ:4 भिखारिन**

प्रश्न 1.प्रतिदिन अंधी भिखारिन कहाँ बैठ कर भीख माँगती थी?

उत्तर - प्रतिदिन अंधी भिखारिन मंदिर के दरवाजे पर बैठ कर भीख माँगती थी।

प्रश्न 2. वह अपनी पूँजी कहाँ छिपाकर रखती थी?

उत्तर -वह अपनी पूँजी एक हाँडी (मिट्टी के बर्तन) में छिपाकर रखती थी।

प्रश्न 3. सेठ जी के चरित्र की विशेषताएँ बताओ।

उत्तर- काशी में सेठ बनारसी दास बहुत प्रसिद्ध व्यक्ति थे। वह बड़े देशभक्त एवं धर्मात्मा थे। दिन के बारह बजे तक पूजा-पाठ में सलंग्न रहते। कर्ज लेने वाले तथा अपनी पूँजी धरोहर के रूप में उनके पास रखने वालों का वहाँ ताँता लगा रहता था।

प्रश्न 4. सेठ जी बुढ़िया के पैरों पर क्यों गिर पड़े?

उत्तर- जब सेठ जी के बेटे की जान संकट में पड़ गई थी तब सेठ जी ने कहा "बुढ़िया ! तेरा बच्चा मर रहा है। वह बार-बार तुझे पुकार रहा है। तुम अपने बच्चे की जाने बचा लो।" बुढ़िया के मना करने पर सेठ जी रोकर उसके पैरों में मिर गिर पड़े और बोले- "ममता की लाज रख लो। आखिर तुम भी उसकी माँ हो"।

प्रश्न 5. सेठ जी याचक थे बुढ़िया दाता थी'- इस पंक्ति का आशय स्पष्ट करो।

उत्तर- इस पंक्ति का अर्थ है कि धन होने के बावजूद सेठ जी अपने बेटे के जीवन की भीख माँग रहे थे, जबकि गरीब बुढ़िया ने उदारता दिखाते हुए उन्हें क्षमा कर दिया और उनके बेटे के लिए दुआ की। इसलिए उस समय सेठ याचक (माँगने वाला) और बुढ़िया दाता (देने वाली) बन गई थी।